संस्थान में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, मध्यप्रदेश, भोपाल का आगमन दिनांक 05.01.2025

श्री असीम श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख, म.प्र. शासन, भोपाल की अध्यक्षता में दिनांक 05.01.2025 को जबलपुर एवं सिवनी वन वृत्त में पदस्थ अधिकारियों की बैठक राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में आयोजित की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने संस्थान में प्रस्तावित वनक्षेत्रपाल महाविद्यालय हेतु निरीक्षण एवं अधोसंरचना का अवलोकन किया तथा संयुक्त वन प्रबंधन के संबंध में जबलपुर एवं सिवनी वन वृत्त के अधिकारियों के साथ परिचर्चा की गई।

उक्त बैठक में श्री प्रदीप वासुदेवा, प्र.मु.व.सं. एवं संचालक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर, डॉ. समीता राजौरा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (मानव संसाधन विकास), भोपाल, श्री कमल अरोरा, मुख्य वन संरक्षक, मध्य वन वृत्त जबलपुर, श्री शिव शंकर उद्दे, वन संरक्षक, श्री रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, वन संरक्षक, राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर आदि उपस्थित रहे। इस बैठक में वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी एवं कार्य आयोजना, जबलपुर वन वृत्त एवं सिवनी वन वृत्त के अधिकारी, वनमण्डलाधिकारी, जबलपुर/पश्चिम मण्डला (सा.)/दक्षिण मण्डला/डिण्डौरी/डिण्डौरी (उत्पा.)/उत्तर सिवनी (सा.)/दक्षिण सिवनी (सा.)/सिवनी (उत्पा.)/नरसिंहपुर वनमण्डल के समस्त अधिकारियों बैठक में उपस्थित हुए।

फॉरेस्ट मैनेजमेंट को लेकर बैठक

वनों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बैठक में जानकारी देते विशेषज्ञ।

जबलपुर. फॉरेस्ट मैनेजमेंट को लेकर राज्य वन अनुसंधान में रविवार को वन विभाग द्वारा वन समितियों के साथ बैठक आयोजित की गई। फॉरेस्ट मैनेजमेंट के विभिन्न तरीकों पर जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य वनों की रक्षा, अवैध उत्खनन की रोकथाम और सामुदायिक भागीदारी से वन प्रबंधन को और प्रभावी बनाना था। बैठक में मुख्य वन संरक्षक प्रदीप वासुदेव ने वनों की रक्षा के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की।

अवैध कटाई पर लगे रोक-मुख्य वन संरक्षक ने वन अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर अवैध उत्खनन, कटाई और शिकार पर कड़ी नजर रखने के उपायों पर चर्चा की। कार्यशाला में वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव, मुख्य वन संरक्षक समिता राजौरा ने फॉरेस्ट मैनेजमेंट के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में मुख्य वन संरक्षक कमल अरोरा, शिव शंकर उद्दे, वन संरक्षक रवीन्द्र मणी त्रिपाठी, वन मंडल अधिकारी ऋषि मिश्र आदि मौजूद थे।